बाल-लीला वर्णन

सूरदास

(1)

यशोदा हरि पालने झुलावै ।
हलरावै, दुलरावै, मल्हावै, जोई सोई कछु गावै ।
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आनि सुलावै ।
तू काहे न बेगि आवे तोको कान्ह बुलावै ।
कबहुँ पलक हरि मूंदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै ।
सोवत जानि मौन ह्वै ह्वै रही करि करि सैन बतावै ।
इहि अंतर अकुलाय उठै हरि जसुमति मधुर गावै ।
जो सुख सूर अमर मुनि दुर्लभ सो नंद भामिनी पावै ।

(2)

मैया हौं न चरैहों गाई ।
सिगरे ग्वाल घिरावत मोसों मेरे पाइ पिराई ।
जौं न पत्याहिं पूछि बलदाउहि अपनी सौंह दिवाई ।
यह सुनि माइ जसोदा, ग्वालिनी, गारी देति रिसाई ।
मैं पठवति अपने लरिका कौं आवे मन बहराई ।
सूर स्याम मेरो अति बालक, मारत ताहि रिंगाई ।

भावबोध :- *सूरदास भक्तिकाल के प्रमुख कृष्ण-भक्त कवि हैं । उनके बाललीला के पद वात्सल्य रस की बेजोड़ कविता हैं । यहाँ प्रथम पद में माँ यशोदा के शिशु कृष्ण को लोरियाँ गाकर सुलाने का मनमोहक चित्र प्रस्तुत हुआ है । द्वितीय पद में गाय चराने गए कृष्ण दूसरे ग्वाल बालों के खिलाफ माता यशोदा से शिकायत कर रहे हैं ।*

- शब्दार्थ -

अधर - होंठ । फरकावें - फड़काते हैं । भामिनी - पत्नी । पालना - झूला, हिंडोला । हलरावै - धीरे-धीरे हिलाना । दुलरावै - प्यार करना । मल्हावै - चुमकारना, पुचकारना । निंदरिया - नींद । सुलावै - सुला देना । बेगि - जल्दी । बुलावै - बुला रहा है । मौन - चुप । सैन - संकेत, इंगित, इशारा । अकुलाय - घबराकर । इहि-इस । अंतर - बीच । अमर - जो कभी नहीं मरता, देवता । दुर्लभ - जिसे पाना सहज न हो । सिगरे - सभी । घिरावत - गाय चराने का काम । मोसों - मुझसे । पाई पिराई - पाँव दुखना । रिंगाई - चला-चला कर । रिसाई - गुस्से में । सौंह - कसम । पठवति - भेजती हूँ । वात्सल्य - संतान विषयक प्रेम । गारी - गाली ।

प्रश्न और अभ्यास

1. दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) कृष्ण को सुलाने के लिए माता यशोदा क्या-क्या करती हैं ?

(ii) जो माता यशोदा के लिए सुलभ है, वह मुनि-ऋषि और देवताओं के लिए दुर्लभ क्यों है ?

(iii) माता यशोदा ग्वालिनों को गाली क्यों देती हैं ?

(iv) कृष्ण माता यशोदा से क्या शिकायत करते हैं ?

2. अति संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) यशोदा कृष्ण को दूसरे ग्वालों के साथ कहाँ भेजती हैं ?

(ii) कृष्ण किसकी कसम खाते हैं ?

(iii) कृष्ण बलदेव से क्या पूछने के लिए कहते हैं ?

(iv) कृष्ण के पाँव में पीड़ा क्यों होती है ?

(v) यशोदा कृष्ण को किसमें सुला रही हैं ?

(vi) कृष्ण क्यों जाग उठते हैं ?

(vii) यशोदा क्या कहकर नींद को बुलाती हैं ?

(viii) ऋषि-मुनि और देवताओं के लिए कौन-सा दृश्य दुर्लभ है ?

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(i) कबहुँ पलक हरि मूंदि लेत हैं कबहुँ अधर फरकावै ।

(ii) हलरावै, दुलरावै, मल्हावै जोई-सोई कछु गावै ।

(iii) सिगरे ग्वाल घिरावत मोसों मेरे पाइ पिराई ।
जौं न पत्याहिं पूछि बलदाउहि, अपनी सौंह दिवाई ।।

भाषा ज्ञान

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए -

ग्वाल, बालक, लड़का, पत्नी, देव, नर ।

5. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए -

अधर, हरि, लाल, अमर, पद ।

शिक्षकों से :

विद्यार्थियों को सप्रसंग व्याख्या लिखने का सही तरीका बताइए ।

पहले प्रसंग, फिर पंक्तियों का अर्थ और अंत में पंक्तियों की समीक्षा होगी ।

●